18.06.2024

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
मीडिया और जन-संपर्क शाखा

हिंदी कार्यक्रम

बोर्ड की विभिन्न शाखाओं में राजभाषा प्रोत्साहन गतिविधियों के क्रम में **14 जून 2024** को मीडिया और जन-संपर्क शाखा में हिंदी कार्यक्रम **"विविधा"** का आयोजन किया गया। इसमें 09 अधिकारी/कर्मचारीगण शामिल हुए। यह गतिविधि श्रीमती निति शंकर शर्मा, उप सचिव और श्रीमती रेनू सेठी, प्रधान निजी सचिव के पर्यवेक्षण और देखरेख में आयोजित हुई। जैसा की शीर्षक से स्पष्ट है, यह हिंदी गतिविधि किसी एक लेखक/कवि या साहित्यकार विशेष पर केन्द्रित न होकर, साहित्य संसार से चुनी हुई विविध रचनाओं पर आधारित थी।

इस हिंदी कार्यक्रम में अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा निम्न सारणी अनुसार प्रस्तुतियाँ दी गई:-

1. **श्रीमती मीनाक्षी, अधीक्षक** ने हिन्दी कार्यक्रम में अपनी स्व-रचित कविता **"दिल्ली का प्रदूषण"** का पाठ किया और इसके माध्यम से पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता की ओर ध्यान आकृष्ट किया:

जब जागो तब देखो, क्या दिखेगा
बताओ, क्या दिखेगा, हम बताए क्या दिखेगा
दिखेगा, जरूर दिखेगा, दिखेगा आपको प्रदूषण का अंधेरा,
प्रदूषण, दिल्ली का प्रदूषण,

क्या आपको नहीं दिखता, हमारी दिल्ली होती प्रदूषित,
प्रदूषित वो भी बहुत बड़े स्तर पर
प्रदूषण, चलो बताएं कौनसा प्रदूषण,
हवा, पानी, धव्नि का प्रदूषण,
ये प्रदूषण, कोई ओर नहीं हम ओर आप जैसे लोग ही करते है,
आप सोचोगे कैसे, है ना,
पर कहीं ना कहीं हम सब जानते है कि
हम अपनी निजी ज़िंदगी में कितना प्रदूषण करते हैं,
कूड़ा जलाना, पानी में फ़ेंकना,
तेज आवाज में टीवी, डेक, डीजे चलाना,
ओर तो ओर रेड लाइट होने पर ही गाड़ी चालू रखा या हॉर्न बजाते रहना
क्या आप इंकार कर सकते हो, कि आप प्रदूषण नहीं करते,
आप इंकार नहीं कर सकते, तो चलो क्यों ना कोशिश करें,
कोशिश करें, अपनी तरफ से प्रदूषण कम करने की,
क्योंकि जिस तरह बूंद बूंद से गागर भरती है,
ठीक वैसे ही कभी ना कभी तो प्रदूषण में कमी आएगी,
और तब हम और हमारा परिवार, पूरी तरह से तो नहीं पर
थोड़ी कम प्रदूषित हवा में सांस ले पाएंगे
तो चलो आज से ही कोशिश करें
कोशिश दिल्ली के प्रदूषण को कम करने की।

श्रीमती मीनाक्षी ने **"मत हार, कर प्रतिकार"** नामक कविता के माध्यम से जीवन में संघर्ष करने और हताशा छोड़कर चुनौतियों का सामना करने के लिए सभी श्रोताओं को प्रेरित किया:

मत हार कर प्रतिकार
हिम गिरि से फिर कर, दो दो हाथ
तुम पावन हो, प्रचंड हो
यहाँ प्रभु का ही तो अंश हो ...

2. **सुश्री रेनू कैन्थ, अधीक्षक** ने श्री नितिन तोमर की कविता **"किसी से कोई शिकायत नहीं"** का पाठ किया।

कवितांश:

जीवन के अंधेरों में मंजिल
अगर जल्दी नहीं मिले तो न सही
लड़खड़ाती टांगों से अब भी चल रहा हूँ
मेरा हौंसला कोई टूटा तो नहीं.....
किसी से कोई शिकायत नहीं

उन्होंने फिर बिहारी झा की कविता **"जा तेरा सरहद करती इन्तजार"** का पाठ किया:

वीरता के मूर्त रूप हो
कायरता तुम्हारे जिस्म में नहीं
सरहद का हर स्तम्भ तेरा है
सरहद की हर पोस्ट तुम्हारी
जा तेरा सरहद करती इन्तजार है.....

3. **श्रीमती एकता अग्रवाल, यंग प्रोफेशनल (सोशल मीडिया प्रबंधन)** ने कार्यालय में अपने कार्य और अनुभव हिंदी में सभी स्टाफ सदस्यों के साथ साझा किए।

4. **श्री देवेंद्र, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी** ने कवि पंकज चतुर्वेदी की कविता **"वृक्षारोपण"** और नरेश सक्सेना जी की कविता **"अच्छे बच्चे"** का पाठ किया:

कुछ बच्चे बहुत अच्छे होते हैं
वे गेंद और ग़ुब्बारे नहीं माँगते
मिठाई नहीं माँगते ज़िद नहीं करते
और मचलते तो हैं ही नहीं
बड़ों का कहना मानते हैं
वे छोटों का भी कहना मानते हैं
इतने अच्छे होते हैं
इतने अच्छे बच्चों की तलाश में रहते हैं हम
और मिलते ही
उन्हें ले आते हैं घर
अक्सर
तीस रुपए महीने और खाने पर।

5. **श्रीमती रेनू सेठी, प्रधान निजी सचिव** ने अपनी कविता के माध्यम से सांप्रदायिक सद्भाव का सार्थक सन्देश दिया:

कुछ अंश:

एक प्रेमचंद बच्चों को
'ईदगाह' सुनाता था
कभी कन्हैया की महिमा गाता
रसखान सुनाई देता है
औरों को दिखते होंगे हिंदू ओ मुसलमां
मुझे तो हर शख्स के भीतर इंसान
दिखाई देता है...

6. **श्रीमती निति शंकर शर्मा , उप सचिव महोदया** ने हिंदी कार्यक्रम के आयोजन के लक्ष्य की ओर सबका ध्यान आकर्षित करते हुए सभी स्टाफ़ सदस्यों से अपना राजकीय कार्य राजभाषा में करने का आग्रह किया।

उन्होंने हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा जारी दिनांक 12.06.2024 के कार्यालय आदेश संख्या फा.स. 38/हिंदी प्रकोष्ठ/2024/810-846 का सन्दर्भ लेते हुए निम्न के लिए निर्देशित किया :

1. 'क', 'ख' तथा 'ग' क्षेत्र के साथ मूल रूप से होने वाले हिंदी पत्राचार को वार्षिक कार्यक्रम 2024-25 में निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार बढ़ाया जाए।
2. अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के शत-प्रतिशत उत्तर हिंदी में दिए जाएं तथा जिन पत्रों के उत्तर दिए जाने अपेक्षित न हों, उन पत्रों के उत्तर हिन्दी में पावती के रूप में दिए जाएं।

उन्होंने मीडिया और जन-संपर्क शाखा में वर्तमान में चल रहे कार्यों का विवरण हिंदी में सभी सदस्यों के साथ साझा किया, स्टाफ द्वारा निष्पादित कार्य को सराहा और आगे की कार्य-योजना रखते हुए सभी को अभिप्रेरित किया।

उपर्युक्त के अतिरिक्त अन्य श्रोता कर्मचारीगण ने भी गतिविधि में प्रत्यक्ष/परोक्ष रूप से भाग लिया।

सभी ने एकजुट होकर शाखा के कार्य और राजभाषा लक्ष्यों को उत्कृष्टता के साथ पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई ।

इसके साथ हिंदी कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

झलकियाँ

****